



|| श्री गणेशाय नमः ||

## HOROSCOPE

synillogic

27/10/2001 23:12

Kota, India

Generated By



JYOTISHAM  
ASTRO API

## बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

### बुनियादी विवरण

जन्मतिथि	27/10/2001
जन्म का समय	23:12
जन्म स्थान	Kota, India
अक्षांश	24
देशान्तर	76
समय क्षेत्र	+5.5
अयनांश	23.878055555555555
सूर्योदय	6:31:06 पूर्वाह्न
सूर्यास्त	5:50:51 अपराह्न

### पंचांग

तिथि	एकादशी
योग	ध्रुव
नक्षत्र	शतभिषा
कर्ण	विष्टि

### ज्योतिषीय विवरण

तिथि	एकादशी
वर्ण	शूद्र
योनि	अश्व
वास्या	मनुष्य
नाड़ी	आदि
राशि	कुम्भ
राशि स्वामी	शनि
कर्ण	विष्टि
तत्व	वायु
नक्षत्र	शतभिषा
नक्षत्र स्वामी	राहु
लग्न	कर्क
पया	लोहा
नाम	से सो द दी

### घटक चक्र

दिन	गुरुवार
तिथि	3(तृतीया),8(अष्टमी),13(त्रयोदशी)
राशि	धनु
तत्व	मानस
भगवान	बृहस्पति
नक्षत्र	आर्द्रा
समान लिंग लग्न	मिथुन
विपरीत लिंग लग्न	धनु

## ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थानीय डिग्री	वैश्विक डिग्री	राशि	राशि स्वामी	घर	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	अवस्था
लग्न	1.6504279012795422	91.65042790127954	कर्क	चंद्रमा	1	पुनर्वसु	बृहस्पति	-
सूरज	10.495566772138801	190.4955667721388	तुला	शुक्र	4	स्वाति	राहु	युवा (कुमारा)
चंद्रमा	19.849426616739436	319.84942661673944	कुम्भ	शनि	8	शतभिषा	राहु	वृद्धा
मंगल	6.132590769232081	276.1325907692321	मकर	शनि	7	उत्तराषाढ़ा	सूरज	युवा (कुमारा)
बुध	22.24786368665505	172.24786368665505	कन्या	बुध	3	हस्त	चंद्रमा	वृद्धा
बृहस्पति	21.752592772778797	81.7525927727788	मिथुन	बुध	12	पुनर्वसु	बृहस्पति	वृद्धा
शुक्र	21.358516054832876	171.35851605483288	कन्या	बुध	3	हस्त	चंद्रमा	वृद्धा
शनि	20.247134373214934	50.247134373214934	वृषभ	शुक्र	11	रोहिणी	चंद्रमा	वृद्धा
राहु	5.955932151835526	65.95593215183553	मिथुन	बुध	12	मृगशिरा	मंगल	नवजात (बाला)
केतु	5.955932151835498	245.9559321518355	धनु	बृहस्पति	6	मूल	केतु	नवजात (बाला)



सूरज  
तुला  
स्वाति(2)

उत्तेजित



चंद्रमा  
कुम्भ  
शतभिषा(4)

तटस्थ



मंगल  
मकर  
उत्तराषाढ़ा(3)

तटस्थ



बुध  
कन्या  
हस्त(4)

मज़बूत



बृहस्पति  
मिथुन  
पुनर्वसु(1)

तटस्थ



शुक्र  
कन्या  
हस्त(4)

मज़बूत



शनि  
वृषभ  
रोहिणी(4)

उत्तेजित



राहु  
मिथुन  
मृगशिरा(4)

मज़बूत

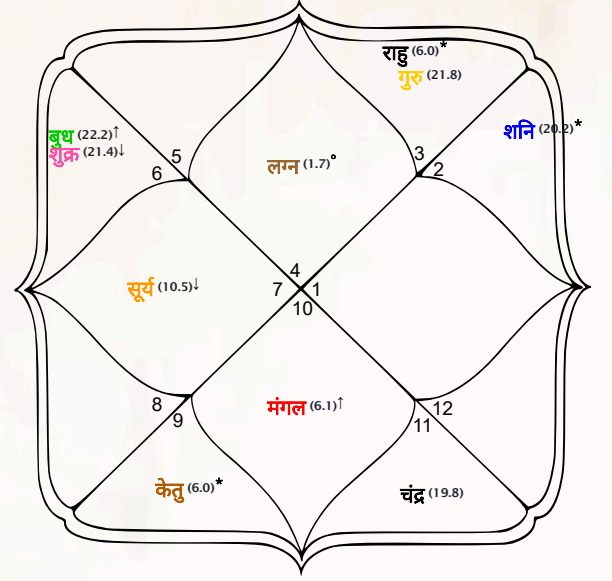


केतु  
धनु  
मूल(2)

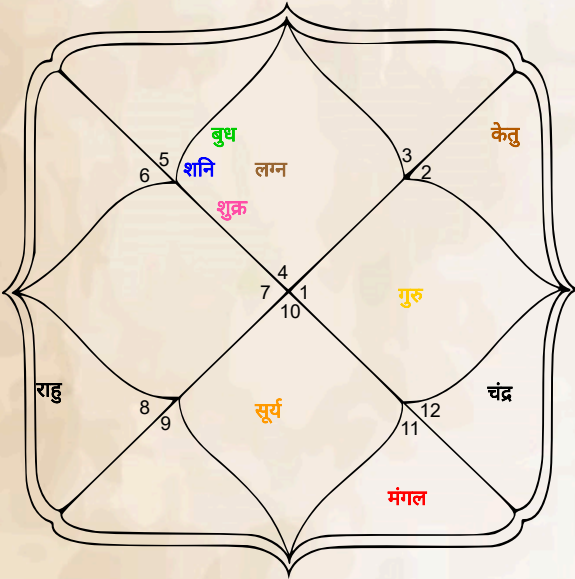
मज़बूत

## राशिफल चार्ट

लग्न, जिसे लग्न के नाम से भी जाना जाता है, वह राशि है जो किसी व्यक्ति के जन्म के ठीक समय पर पूर्वी क्षितिज पर उग रही थी। यह जन्म कुंडली में सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है, क्योंकि यह पूरी कुंडली की नींव को आकार देता है। लग्न को चार्ट का शुरुआती बिंदु माना जाता है और इसे पहले घर के रूप में गिना जाता है। लग्न से, अन्य घरों को क्रम में व्यवस्थित किया जाता है, शेष राशियों के माध्यम से आगे बढ़ते हुए। इसका मतलब यह है कि लग्न न केवल उस राशि की पहचान करता है जो उग रही थी, बल्कि चार्ट में अन्य सभी घरों के लेआउट को भी निर्धारित करती है। कुंडली में प्रत्येक घर जीवन के विशिष्ट पहलुओं का प्रतिनिधित्व करता है, जैसे परिवार, करियर, रिश्ते और स्वास्थ्य। इसलिए, लग्न किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व, जीवन यात्रा और भाग्य को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।



लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)

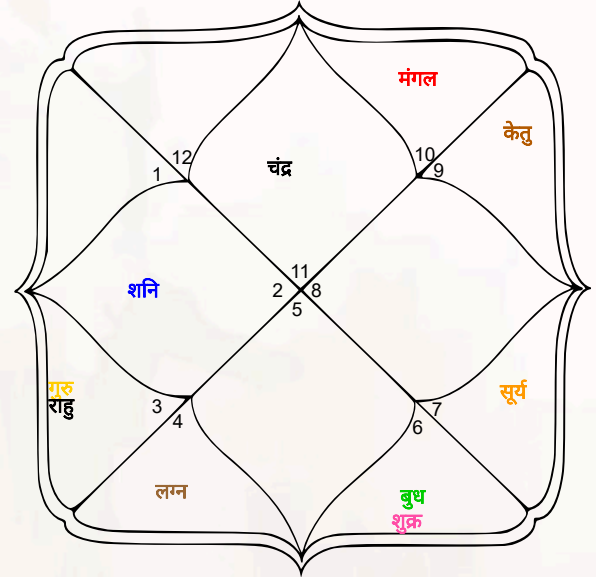


नवमांश चार्ट(D9)

नवमांश चार्ट वैदिक ज्योतिष में सबसे महत्वपूर्ण विभागीय चार्ट में से एक है। 'नवमांश' शब्द का अर्थ है 'नौ भाग', जो प्रत्येक राशि (राशि) के नौ बराबर भागों में विभाजन को दर्शाता है। इनमें से प्रत्येक भाग, जिसे अंस कहा जाता है, एक राशि के भीतर 3 डिग्री और 20 मिनट तक फैला होता है। यह चार्ट जीवन के विभिन्न पहलुओं, जैसे कि रिश्तों, आध्यात्मिकता और जन्म कुंडली में ग्रहों की ताकत के बारे में गहरी जानकारी प्रदान करता है। मुख्य जन्म कुंडली के साथ-साथ नवमांश चार्ट का विश्लेषण करके, ज्योतिषी किसी व्यक्ति के चरित्र, भाग्य और संभावित जीवन की घटनाओं के बारे में अधिक विस्तृत समझ प्राप्त कर सकते हैं।



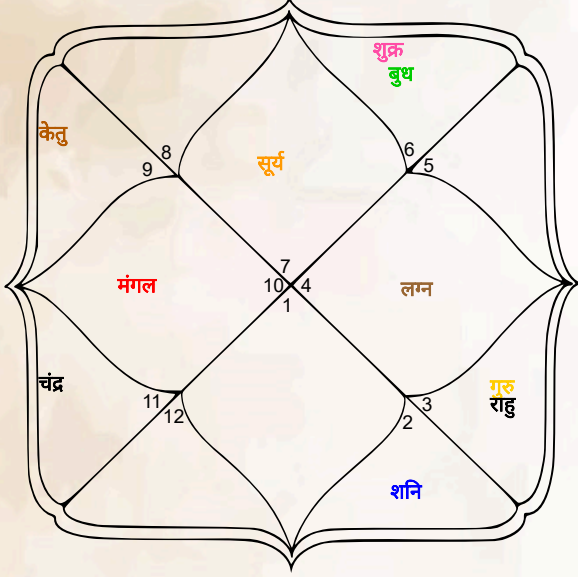
ज्योतिष में चंद्रमा चार्ट एक मूल्यवान उपकरण है जिसका उपयोग सटीक भविष्यवाणियां करने के लिए किया जाता है। इसे चंद्र राशि - वह राशि जहाँ जन्म के समय चंद्रमा स्थित था - को शुरुआती बिंदु या प्रथम भाव के रूप में रखकर बनाया जाता है। ज्योतिषी अक्सर गहरी जानकारी प्राप्त करने के लिए चंद्र चार्ट की तुलना लग्न (आरोही) चार्ट से करते हैं। जब विशिष्ट ग्रह संरेखण, जिन्हें योग या संयोजन के रूप में जाना जाता है, चंद्र चार्ट और लग्न चार्ट दोनों में दिखाई देते हैं, तो उनका प्रभाव आमतौर पर किसी व्यक्ति के जीवन में बहुत अधिक मजबूत और अधिक ध्यान देने योग्य होता है। यह संरेखण घटनाओं और प्रभावों की स्पष्ट समझ प्रदान करने में मदद करता है, जिससे भविष्यवाणियाँ अधिक विश्वसनीय और प्रभावशाली बनती हैं।



चंद्र कुंडली

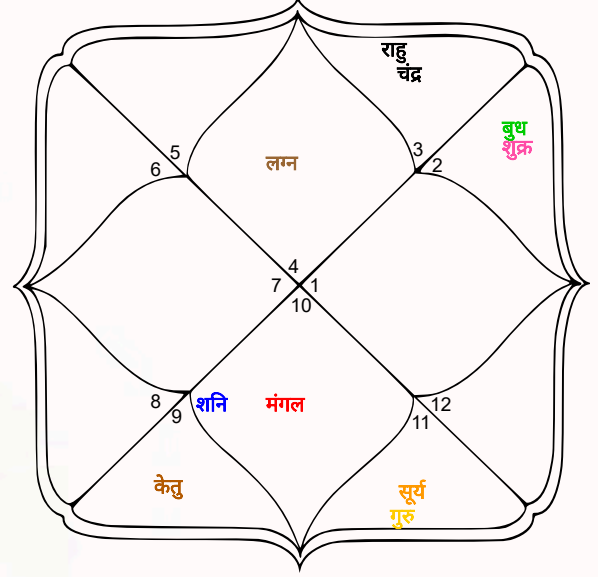
## संभागीय चार्ट

सूरज



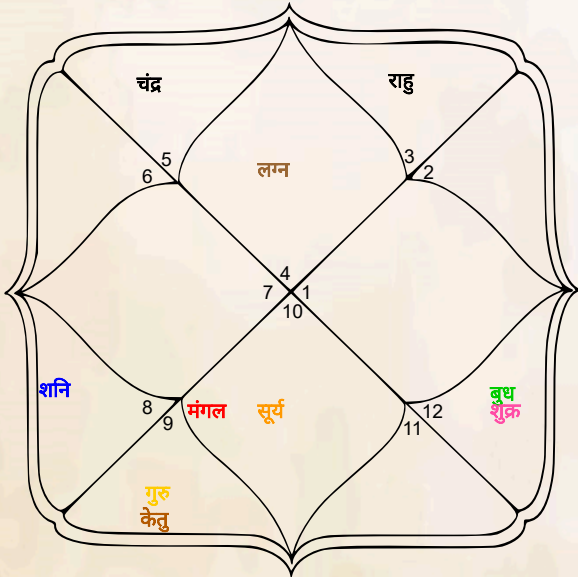
स्वास्थ्य, संविधान, शरीर

द्रेष्काण (D3)



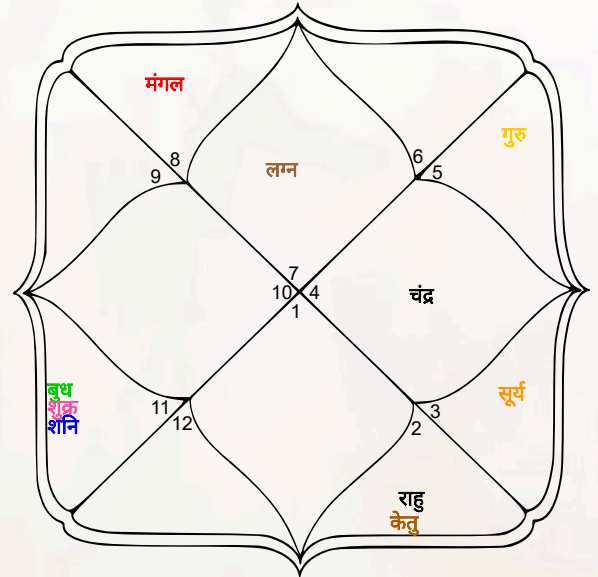
भाइयों बहनों

चतुर्थांश (D4)



भाग्य, जातक का सौभाग्य

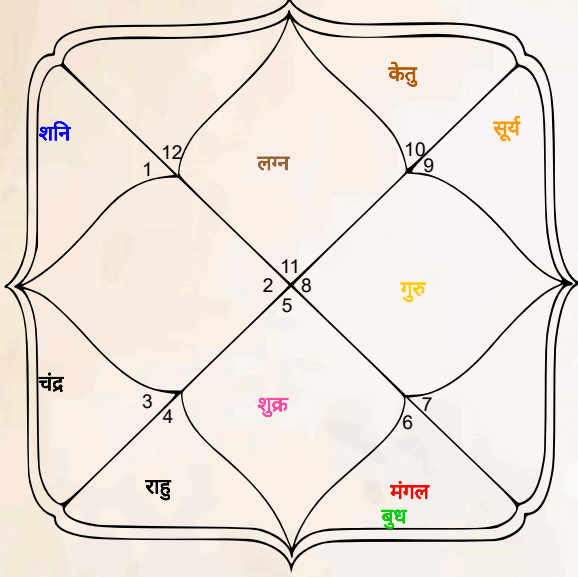
षष्ठमांश (D6)



स्वास्थ्य

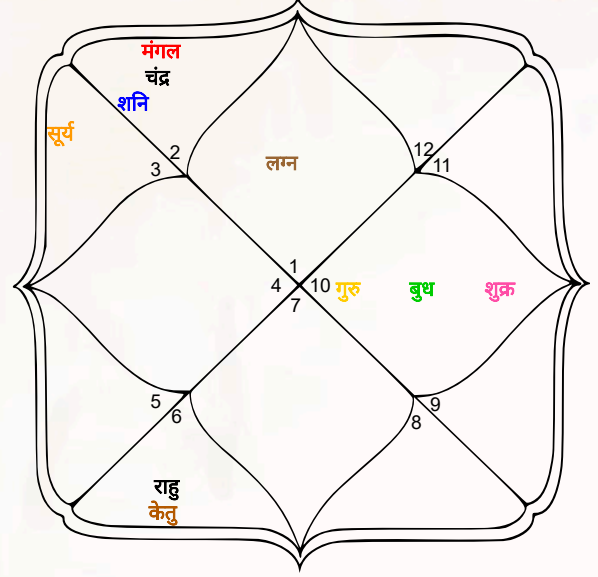
## संभागीय चार्ट

सप्तमांश (D7)



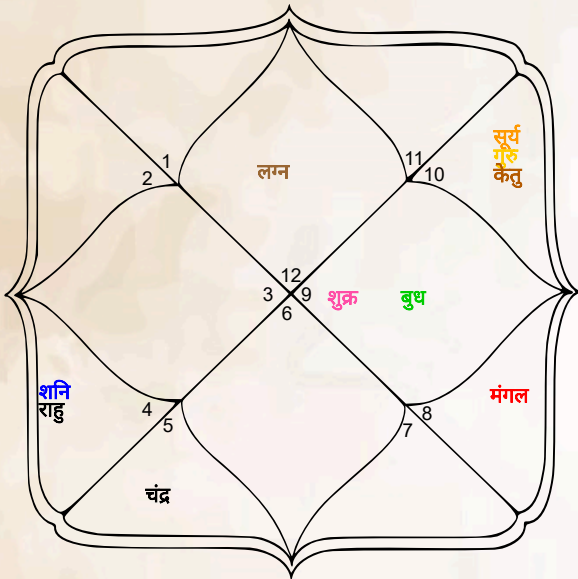
गर्भाधान, बच्चे का जन्म

अष्टमांश (D8)



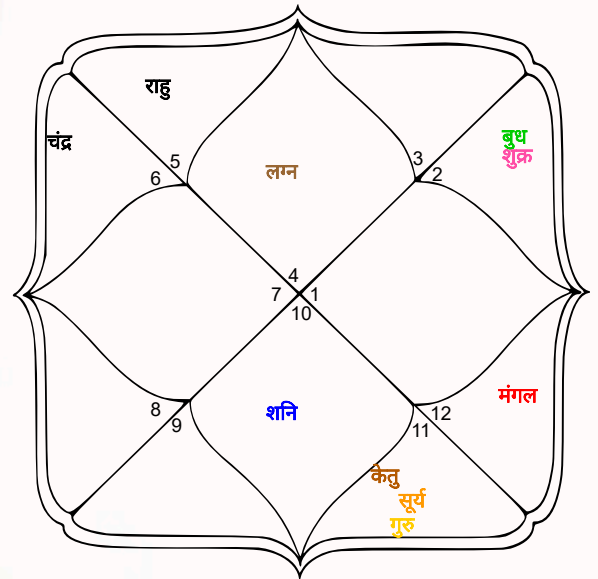
दीर्घायु दर्शाता है

दशमांश (D10)



आजीविका, पेशा

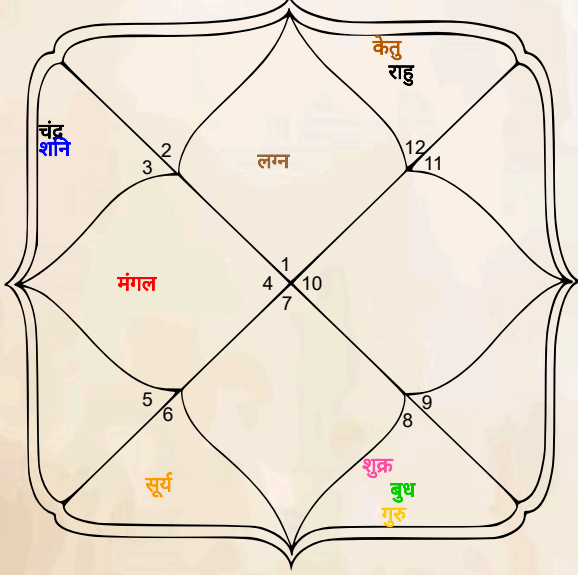
द्वादशांश (D12)



माता-पिता, पितृ सुख

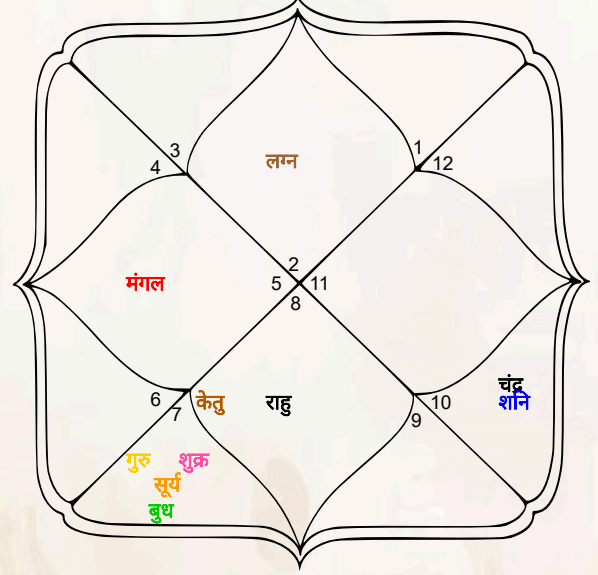
## संभागीय चार्ट

षोडशांश (D16)



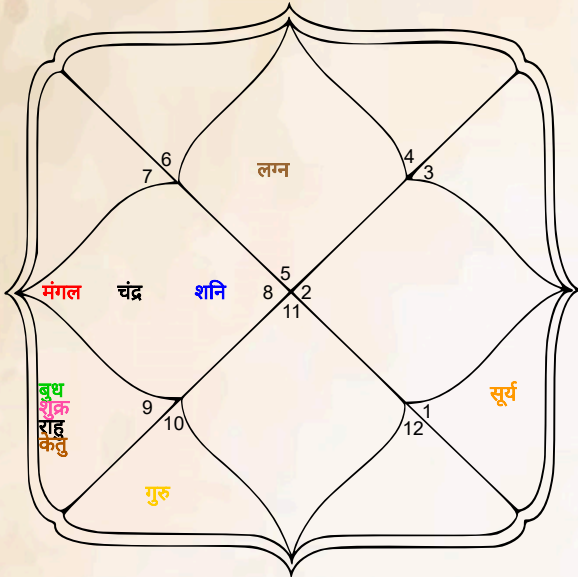
सुख, दुख, परिवहन

विषांश (D20)



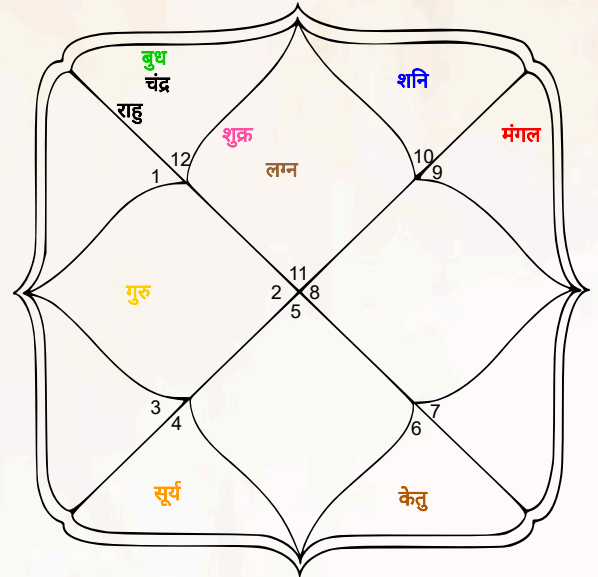
आध्यात्मिक प्रगति, उपासना

चतुर्विंशांश (D24)



शैक्षणिक उपलब्धि, शिक्षा

सप्तविंशांश (D27)

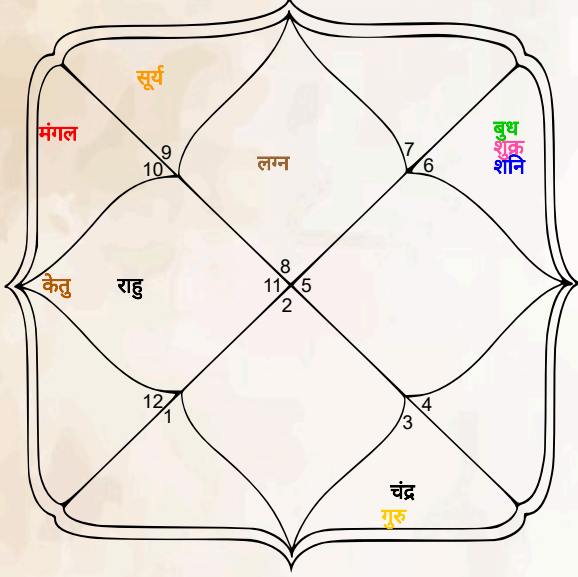


शारीरिक शक्ति, सहनशक्ति



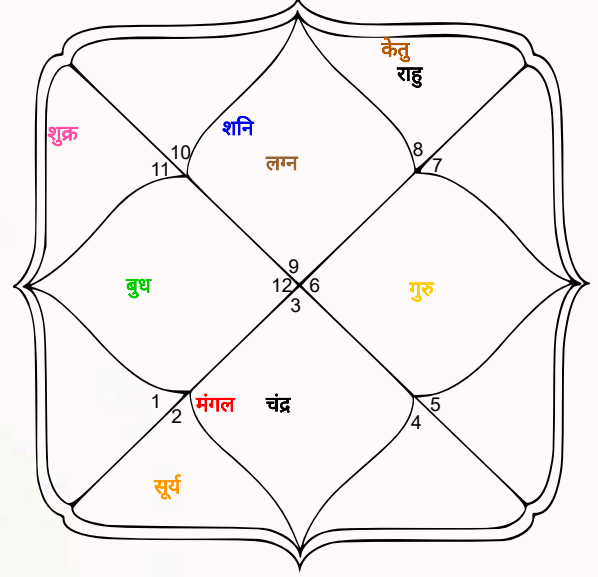
## संभागीय चार्ट

त्रिशांशा (D30)



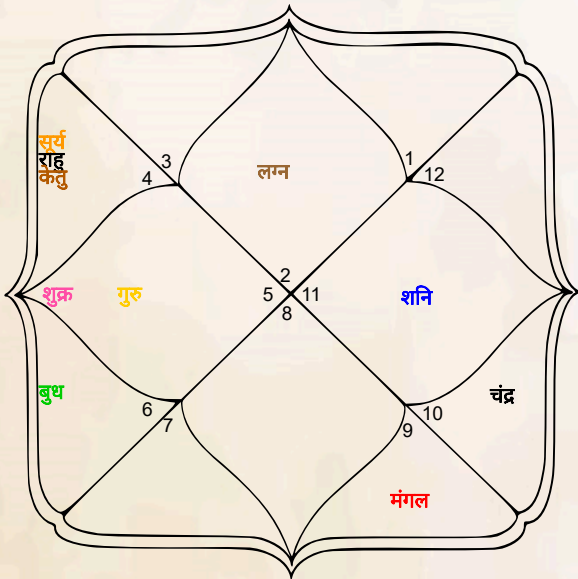
बुराई, जीवन की प्रतिकूलताएँ

खावेदांशा (D40)



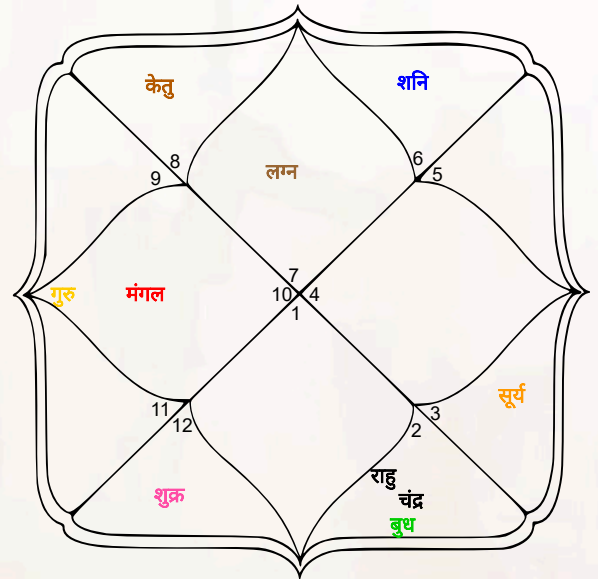
शुभ एवं अशुभ प्रभाव

अक्षवेदांशा (D45)



जातक का चरित्र और आचरण

षष्ट्यांश (D60)

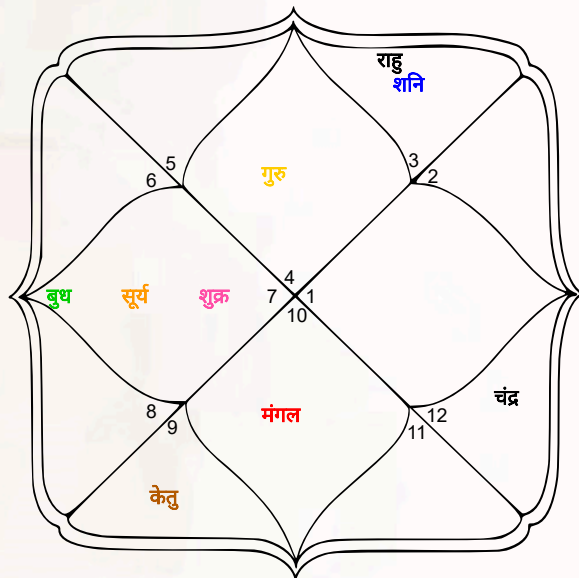


सामान्य खुशी दर्शाता है

## केपी ग्रहों का विवरण

ग्रह	डिग्री	राशि क्रमांक	राशि चक्र	राशि स्वामी	घर
लग्न	91.75042790127954	4	कर्क	चंद्रमा	1
सूरज	190.5955667721388	7	तुला	शुक्र	4
चंद्रमा	319.94942661673946	11	कुम्भ	शनि	8
मंगल	276.2325907692321	10	मकर	शनि	7
बुध	172.34786368665505	6	कन्या	बुध	3
बृहस्पति	81.85259277277879	3	मिथुन	बुध	12
शुक्र	171.45851605483287	6	कन्या	बुध	3
शनि	50.347134373214935	2	वृषभ	शुक्र	11
राहु	66.05593215183552	3	मिथुन	बुध	12
केतु	246.0559321518355	9	धनु	बृहस्पति	6

ग्रह	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	नक्षत्र पद	उप-स्वामी	उप-उप-स्वामी
लग्न	पुनर्वसु	बृहस्पति	4	राहु	बृहस्पति
सूरज	स्वाति	राहु	2	शनि	शनि
चंद्रमा	शतभिषा	राहु	4	मंगल	शुक्र
मंगल	उत्तराषाढा	सूरज	3	बुध	मंगल
बुध	हस्त	चंद्रमा	4	शुक्र	बुध
बृहस्पति	पुनर्वसु	बृहस्पति	1	बृहस्पति	राहु
शुक्र	हस्त	चंद्रमा	4	शुक्र	राहु
शनि	रोहिणी	चंद्रमा	4	केतु	शनि
राहु	मृगशिरा	मंगल	4	चंद्रमा	बृहस्पति
केतु	मूल	केतु	2	राहु	बृहस्पति





## मैत्री तालिका

### स्थायी मित्रता

ग्रह	सूरज	चंद्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
सूरज	--	दोस्त	दोस्त	तटस्थ	दोस्त	दुश्मन	दुश्मन
चंद्रमा	दोस्त	--	तटस्थ	दोस्त	तटस्थ	तटस्थ	तटस्थ
मंगल	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	तटस्थ	तटस्थ
बुध	दोस्त	दुश्मन	तटस्थ	--	दुश्मन	दोस्त	तटस्थ
बृहस्पति	दोस्त	दोस्त	दोस्त	दुश्मन	--	दुश्मन	तटस्थ
शुक्र	दुश्मन	तटस्थ	तटस्थ	दोस्त	तटस्थ	--	दोस्त
शनि	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	दोस्त	तटस्थ	दोस्त	--

### अस्थायी मित्रता

ग्रह	सूरज	चंद्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
सूरज	--	दुश्मन	दोस्त	दोस्त	दुश्मन	दोस्त	दुश्मन
चंद्रमा	दुश्मन	--	दोस्त	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	दोस्त
मंगल	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन
बुध	दोस्त	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	दुश्मन	दुश्मन
बृहस्पति	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त
शुक्र	दोस्त	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	दोस्त	--	दुश्मन
शनि	दुश्मन	दोस्त	दुश्मन	दुश्मन	दोस्त	दुश्मन	--

### पांच गुना दोस्ती

ग्रह	सूरज	चंद्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
सूरज	--	तटस्थ	अंतरंग दोस्त	दोस्त	तटस्थ	तटस्थ	जानी दु.
चंद्रमा	तटस्थ	--	दोस्त	तटस्थ	दुश्मन	दुश्मन	दोस्त
मंगल	अंतरंग दोस्त	अंतरंग दोस्त	--	जानी दु.	तटस्थ	दुश्मन	दुश्मन
बुध	अंतरंग दोस्त	जानी दु.	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	दुश्मन
बृहस्पति	तटस्थ	तटस्थ	तटस्थ	तटस्थ	--	तटस्थ	दोस्त
शुक्र	तटस्थ	जानी दु.	दुश्मन	तटस्थ	दोस्त	--	तटस्थ
शनि	जानी दु.	तटस्थ	जानी दु.	तटस्थ	दोस्त	तटस्थ	--

राहु

प्रारंभ: सोमवार जनवरी 09 1984  
समाप्त: मंगलवार जनवरी 08 2002

राहु	शनिवार, 20 सितंबर 1986, 20:30:00
बृहस्पति	सोमवार, 13 फ़रवरी 1989, 09:30:00
शनि	शनिवार, 21 दिसंबर 1991, 06:30:00
बुध	शनिवार, 09 जुलाई 1994, 14:30:00
केतु	शुक्रवार, 28 जुलाई 1995, 02:30:00
शुक्र	सोमवार, 27 जुलाई 1998, 18:30:00
सूर्य	सोमवार, 21 जून 1999, 11:30:00
चंद्रमा	बुधवार, 20 दिसंबर 2000, 07:30:00
मंगल	सोमवार, 07 जनवरी 2002, 18:30:00

बृहस्पति

प्रारंभ: बुधवार जनवरी 09 2002  
समाप्त: मंगलवार जनवरी 09 2018

बृहस्पति	गुरुवार, 26 फ़रवरी 2004, 23:30:00
शनि	शनिवार, 09 सितंबर 2006, 06:30:00
बुध	सोमवार, 15 दिसंबर 2008, 04:30:00
केतु	शनिवार, 21 नवंबर 2009, 02:30:00
शुक्र	रविवार, 22 जुलाई 2012, 02:30:00
सूर्य	शुक्रवार, 10 मई 2013, 07:30:00
चंद्रमा	मंगलवार, 09 सितंबर 2014, 07:30:00
मंगल	रविवार, 16 अगस्त 2015, 05:30:00
राहु	सोमवार, 08 जनवरी 2018, 18:30:00

शनि

प्रारंभ: बुधवार जनवरी 10 2018  
समाप्त: शनिवार जनवरी 10 2037

शनि	मंगलवार, 12 जनवरी 2021, 14:30:00
बुध	शुक्रवार, 22 सितंबर 2023, 18:30:00
केतु	गुरुवार, 31 अक्टूबर 2024, 14:30:00
शुक्र	शनिवार, 01 जनवरी 2028, 06:30:00
सूर्य	बुधवार, 13 दिसंबर 2028, 06:30:00
चंद्रमा	रविवार, 14 जुलाई 2030, 14:30:00
मंगल	शनिवार, 23 अगस्त 2031, 10:30:00
राहु	गुरुवार, 29 जून 2034, 10:30:00
बृहस्पति	शुक्रवार, 09 जनवरी 2037, 18:30:00

बुध

प्रारंभ: रविवार जनवरी 11 2037  
समाप्त: रविवार जनवरी 11 2054

बुध	गुरुवार, 09 जून 2039, 09:30:00
केतु	मंगलवार, 05 जून 2040, 14:30:00
शुक्र	सोमवार, 06 अप्रैल 2043, 10:30:00
सूर्य	बुधवार, 10 फ़रवरी 2044, 21:30:00
चंद्रमा	बुधवार, 12 जुलाई 2045, 07:30:00
मंगल	सोमवार, 09 जुलाई 2046, 12:30:00
राहु	सोमवार, 25 जनवरी 2049, 20:30:00
बृहस्पति	बुधवार, 03 मई 2051, 17:30:00
शनि	शनिवार, 10 जनवरी 2054, 18:30:00

## दशा

### केतु

प्रारंभ: सोमवार जनवरी 12 2054  
समाप्त: बुधवार जनवरी 12 2061

केतु	मंगलवार, 09 जून 2054, 22:30:00
शुक्र	मंगलवार, 10 अगस्त 2055, 02:30:00
सूर्य	बुधवार, 15 दिसंबर 2055, 22:30:00
चंद्रमा	रविवार, 16 जुलाई 2056, 00:30:00
मंगल	मंगलवार, 12 दिसंबर 2056, 04:30:00
राहु	रविवार, 30 दिसंबर 2057, 17:30:00
बृहस्पति	शुक्रवार, 06 दिसंबर 2058, 15:30:00
शनि	गुरुवार, 15 जनवरी 2060, 12:30:00
बुध	मंगलवार, 11 जनवरी 2061, 18:30:00

### शुक्र

प्रारंभ: गुरुवार जनवरी 13 2061  
समाप्त: सोमवार जनवरी 13 2081

शुक्र	बुधवार, 14 मई 2064, 06:30:00
सूर्य	गुरुवार, 14 मई 2065, 12:30:00
चंद्रमा	गुरुवार, 13 जनवरी 2067, 06:30:00
मंगल	बुधवार, 14 मार्च 2068, 09:30:00
राहु	रविवार, 15 मार्च 2071, 03:30:00
बृहस्पति	सोमवार, 13 नवंबर 2073, 03:30:00
शनि	मंगलवार, 12 जनवरी 2077, 18:30:00
बुध	सोमवार, 13 नवंबर 2079, 15:30:00
केतु	रविवार, 12 जनवरी 2081, 18:30:00

### सूर्य

प्रारंभ: मंगलवार जनवरी 14 2081  
समाप्त: मंगलवार जनवरी 14 2087

सूर्य	शनिवार, 03 मई 2081, 07:30:00
चंद्रमा	शनिवार, 01 नवंबर 2081, 21:30:00
मंगल	सोमवार, 09 मार्च 2082, 16:30:00
राहु	सोमवार, 01 फ़रवरी 2083, 08:30:00
बृहस्पति	शनिवार, 20 नवंबर 2083, 11:30:00
शनि	बुधवार, 01 नवंबर 2084, 09:30:00
बुध	शुक्रवार, 07 सितंबर 2085, 18:30:00
केतु	रविवार, 13 जनवरी 2086, 13:30:00
शुक्र	सोमवार, 13 जनवरी 2087, 18:30:00

### चंद्रमा

प्रारंभ: बुधवार जनवरी 15 2087  
समाप्त: सोमवार जनवरी 14 2097

चंद्रमा	शनिवार, 15 नवंबर 2087, 02:30:00
मंगल	मंगलवार, 15 जून 2088, 03:30:00
राहु	बुधवार, 14 दिसंबर 2089, 22:30:00
बृहस्पति	रविवार, 15 अप्रैल 2091, 20:30:00
शनि	शुक्रवार, 14 नवंबर 2092, 02:30:00
बुध	गुरुवार, 15 अप्रैल 2094, 11:30:00
केतु	रविवार, 14 नवंबर 2094, 12:30:00
शुक्र	रविवार, 15 जुलाई 2096, 04:30:00
सूर्य	रविवार, 13 जनवरी 2097, 18:30:00

## दशा

### मंगल

प्रारंभ: मंगलवार जनवरी 15 2097  
समाप्त: गुरुवार जनवरी 17 2104

मंगल	बुधवार, 12 जून 2097, 22:30:00
राहु	मंगलवार, 01 जुलाई 2098, 11:30:00
बृहस्पति	रविवार, 07 जून 2099, 09:30:00
शनि	शनिवार, 17 जुलाई 2100, 06:30:00
बुध	गुरुवार, 14 जुलाई 2101, 12:30:00
केतु	शनिवार, 10 दिसंबर 2101, 16:30:00
शुक्र	शुक्रवार, 09 फ़रवरी 2103, 20:30:00
सूर्य	रविवार, 17 जून 2103, 16:30:00
चंद्रमा	बुधवार, 16 जनवरी 2104, 18:30:00

### वर्तमान चल रही दशा

दशा नाम	ग्रहों	आरंभ करने की तिथि	अंतिम तिथि
महादशा	शनि	बुधवार, 10 जनवरी 2018	शनिवार, 10 जनवरी 2037
अन्तर्दशा	शुक्र	सोमवार, 04 नवंबर 2024	बुधवार, 05 जनवरी 2028
पर्यन्तर्दशा	मंगल	सोमवार, 20 अक्टूबर 2025	शुक्रवार, 26 दिसंबर 2025
शुक्मादशा	शुक्र	शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025	मंगलवार, 23 दिसंबर 2025
प्राणदशा	सूरज	सोमवार, 15 दिसंबर 2025	मंगलवार, 16 दिसंबर 2025

\* नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शाती हैं।



### कालसर्प दोष क्या है?

राहु और केतु वैदिक ज्योतिष में चंद्र नोड हैं, और भौतिक ग्रह न होने के बावजूद, उन्हें शक्तिशाली आकाशीय प्रभाव माना जाता है। वे कर्म पैटर्न से गहराई से जुड़े हुए हैं और अक्सर उनके तीव्र और परिवर्तनकारी प्रभावों के कारण उनसे डर लगता है। जब कुंडली में सभी सात ग्रह (सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र और शनि) राहु और केतु के बीच स्थित होते हैं, तो यह काल सर्प योग के रूप में जानी जाने वाली स्थिति बनाता है। माना जाता है कि यह संरेखण महत्वपूर्ण चुनौतियाँ और बाधाएँ लाता है, हालाँकि कुछ मामलों में, यह उल्लेखनीय सकारात्मक परिणाम भी दे सकता है। राहु और केतु को अचानक, जीवन बदलने वाली घटनाओं को उत्पन्न करने की उनकी क्षमता के लिए जाना जाता है। ये बदलाव या तो अत्यधिक लाभकारी या विघटनकारी हो सकते हैं, जो अक्सर अप्रत्याशित रूप से या बहुत कम समय सीमा के भीतर होते हैं। उनका प्रभाव नाटकीय है, जो उन्हें ज्योतिषीय विश्लेषण में विचार करने के लिए महत्वपूर्ण बिंदु बनाता है।

कालसर्प दोष: false

प्रतिक्रिया: आपको काल-सर्प दोष नहीं है



## कालसर्प दोष के उपाय:

1. काल सर्प दोष निवारण पूजा की सिफारिश की जाती है। जिस व्यक्ति की कुंडली में कालसर्प योग है, उसे नियमित रूप से भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए और बेहतर परिणाम के लिए, व्यक्ति भगवान शिव के मूल मंत्र का जाप भी कर सकता है। 'ओम नमः शिवाय' (ॐ नमः शिवाय) ) यह मंत्र काल सर्प दोष निवारण मंत्र के रूप में कार्य करता है। जो छात्र कालसर्प योग के दुष्प्रभाव से प्रभावित हैं उन्हें देवी सरस्वती के मूल मंत्र का जाप करना चाहिए मूल मंत्र छात्रों की एकाग्रता शक्ति को बढ़ाएगा और परिणामस्वरूप, वे बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे।
2. काल सर्प दोष निवारण पूजा की सिफारिश की जाती है। किसी शुभ मुहूर्त में, कोयले के तीन टुकड़े बहते पानी में एक-एक करके प्रवाहित करें। यह सबसे अच्छे कालसर्प दोष उपचारों में से एक है। इससे कालसर्प दोष का प्रभाव समाप्त हो जाएगा। जातक की कुंडली से काल सर्प दोष दूर हो जाता है और वह अधिक शांतिपूर्ण और खुशहाल जीवन जीने में सक्षम हो जाता है। जो जातक काल सर्प योग से पीड़ित हैं उनके लिए नियमित रूप से 108 बार हनुमान चालीसा का जाप करना अत्यधिक लाभकारी होता है। जो लोग इस योग से प्रभावित हैं योग भगवान हनुमान के मंदिर भी जा सकते हैं और भगवान हनुमान की मूर्ति से सिंदूर का तिलक लगा सकते हैं।
3. काल सर्प दोष निवारण पूजा की सलाह दी जाती है। रुद्राक्ष की माला पर महामृत्युंजय मंत्र का 108 बार जाप करने से जातक को इससे छुटकारा पाने में मदद मिलेगी। कालसर्प योग. 'ॐ तयम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर् मुक्षीय मामृतात्'।
4. घर में मोर का पंख रखने से कालसर्प योग का प्रभाव कम होता है। बच्चे अपनी एकाग्रता बढ़ाने के लिए इसे अपनी किताबों में भी रख सकते हैं।
5. हर शनिवार को शनिदेव की पूजा करने और शनिदेव के मूल मंत्र का जाप करने से काल सर्प योग का प्रभाव कम होता है। लोग शनिदेव को तिल और काले चने भी चढ़ा सकते हैं। भगवान शनि. 'ओम शनि चराय नमः'
6. काल सर्प दोष निवारण पूजा की सलाह दी जाती है। काल सर्प योग से छुटकारा पाने के लिए शुभ मुहूर्त में अपने घर में काल सर्प योग यंत्र स्थापित करें। आप इस मूल मंत्र का जाप भी कर सकते हैं। यंत्र को सक्रिय करना। "ब्रह्मा मूरि त्रिपुरांतकारी भानुः शशिः भूमिसुतो बुधश्च"
7. नाग पंचमी पर पूजा करें और पूजा के बाद, सुनिश्चित करें कि सपेरा सांप को खुले मैदान में छोड़ दें।





### मांगलिक दोष क्या है?

वैदिक ज्योतिष में, मांगलिक दोष तब होता है जब मंगल, सूर्य, शनि, राहु या केतु किसी व्यक्ति की कुंडली के विशिष्ट घरों में स्थित होते हैं: लग्न (पहला घर), चौथा घर, सातवां घर, आठवां घर या बारहवां घर। माना जाता है कि यह स्थिति असंतुलन पैदा करती है, खासकर विवाह और रिश्तों में। लग्न में मंगल का प्रभाव तब अधिक तीव्र माना जाता है जब मंगल लग्न में चंद्रमा के साथ संयुक्त होता है। यदि लड़का और लड़की दोनों की कुंडली में मांगलिक दोष है, और ज्योतिषीय सिद्धांतों के अनुसार इसे रद्द कर दिया जाता है, तो उनकी शादी सामंजस्यपूर्ण और सफल होने की संभावना है। हालाँकि, यदि मांगलिक दोष का समाधान नहीं किया जाता है, तो यह विवाहित जीवन में अनावश्यक चुनौतियाँ, संघर्ष या देरी ला सकता है। एक खुशहाल और स्थिर विवाह सुनिश्चित करने के लिए, विवाह से पहले कुंडली का सावधानीपूर्वक मिलान करना महत्वपूर्ण है। जब मांगलिक दोष को ठीक से संबोधित किया जाता है और उसे समाप्त कर दिया जाता है, तो माना जाता है कि यह व्यक्ति के विवाहित जीवन में शांति, समृद्धि और स्थिरता लाता है।

मांगलिक प्रतिशत: 35%

प्रतिक्रिया: आप 35% मांगलिक हैं।

## ग्रहों पर आधारित

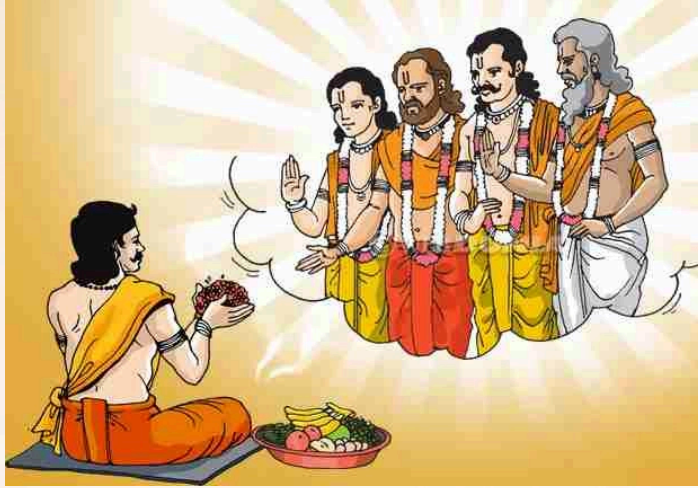
1. मंगल ग्रह से मांगलिक: true
2. शनि द्वारा मांगलिक: false
3. राहु और केतु द्वारा मांगलिक: true

## पहलुओं पर आधारित

1. 7th भाव में मंगल की दृष्टि 10th, 1st, और 2nd भाव पर है।
2. 11th भाव में शनि की दृष्टि 1st, 5th, और 8th भाव पर है।
3. 12th भाव में राहु की दृष्टि 4th और 8th भाव पर है।
4. 6th भाव में केतु की दृष्टि 10th और 2nd भाव पर है।

## मांगलिक दोष के उपाय:

1. यदि दोनों साथी मांगलिक हैं तो यह दोष समाप्त हो जाता है। इसके सभी बुरे प्रभाव समाप्त हो जाते हैं और दोनों का वैवाहिक जीवन सुखमय और खुशहाल हो सकता है।
2. जब विवाह में कोई एक व्यक्ति मांगलिक होता है, तो कुंभ विवाह नामक इस अनुष्ठान को करने से मंगल दोष के नकारात्मक प्रभाव समाप्त हो सकते हैं। हिंदू वैदिक ज्योतिष के अनुसार मांगलिक व्यक्ति का विवाह केले के पेड़, पीपल के पेड़ या भगवान विष्णु की चांदी/सोने की मूर्ति से कराया जाता है।
3. सभी उपायों में से मंगलवार का व्रत भी एक कारगर उपाय माना जाता है। इस दिन व्रत रखने वाले मांगलिक व्यक्तियों को केवल तुअर दाल खानी चाहिए
4. मंगल ग्रह के मंत्र का जाप मंगलवार को करना चाहिए जिसे मंगल मंत्र के रूप में जाना जाता है। वे प्रतिदिन गायत्री मंत्र का 108 बार जाप भी कर सकते हैं या हनुमान चालीसा का प्रतिदिन जाप कर सकते हैं।
5. नवग्रह मंदिरों में जाने से मंगल दोष के कारण होने वाले बुरे प्रभाव कम होते हैं। सबसे लोकप्रिय मंदिर तमिलनाडु में स्थित हैं। कुछ मंदिर असम के गुवाहाटी में भी स्थित हैं। मंदिर में घी का दीपक भी जलाएं।
6. दाहिने हाथ की अनामिका में चमकीले लाल मूंगे के साथ सुनहरी अंगूठी पहनें। हालांकि, इसे पहनने से पहले किसी विश्वसनीय ज्योतिषी से कुंडली का गहन विश्लेषण करवा लें।



### पितृ दोष क्या है?

वैदिक ज्योतिष में, पितृ दोष को पूर्वजों के अधूरे कर्तव्यों या अनसुलझे मुद्दों के परिणामस्वरूप होने वाला कर्म ऋण माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह तब होता है जब जन्म कुंडली में विशिष्ट ग्रह संयोजन दिखाई देते हैं, खासकर जब राहु या केतु कुछ घरों में स्थित होते हैं या सूर्य जैसे प्रमुख ग्रहों के साथ संयुक्त होते हैं। यह दोष अक्सर पिछली पीढ़ियों द्वारा अधूरे छोड़े गए पिछले पारिवारिक दायित्वों या कर्मों को संबोधित करने की आवश्यकता को दर्शाता है। पितृ दोष जीवन के विभिन्न पहलुओं, जैसे स्वास्थ्य, करियर, वित्त या रिश्तों में कठिनाइयों का कारण बनता है। यह परिवार के भीतर बार-बार आने वाली चुनौतियों या बाधाओं के रूप में भी प्रकट हो सकता है। हालाँकि, यह दोष एक अभिशाप नहीं है, बल्कि आध्यात्मिक विकास और पैतृक बोझ के समाधान के लिए एक आह्वान है। विशिष्ट उपायों और अनुष्ठानों के माध्यम से, जैसे कि पितृ तर्पण करना या ज़रूरतमंदों को दान करना, पितृ दोष के प्रभावों को कम या समाप्त किया जा सकता है। इस दोष को संबोधित करने से पूर्वजों को शांति मिल सकती है, लंबित मुद्दों को हल किया जा सकता है और परिवार में सद्भाव और समृद्धि को आमंत्रित किया जा सकता है।

क्या दोष मौजूद है: false

प्रतिक्रिया: आपकी कुंडली में पितृ दोष नहीं है.



## प्रभाव

---

1. बच्चों को मानसिक और शारीरिक विकलांगता का सामना करना पड़ सकता है।
2. प्रतिकूल वातावरण और जीवन साथी के साथ बहस।
3. विवाह में देरी।
4. लगातार बीमारी के कारण आर्थिक और शारीरिक समस्याएँ।
5. प्रयासों में सफलता की कमी।
6. लगातार आर्थिक समस्याएँ।
7. साँप या पूर्वजों द्वारा भोजन या कपड़े माँगने से संबंधित सपने।

## पितृ दोष के उपाय:

---

1. बरगद के पेड़ पर नियमित रूप से जल चढ़ाएं।
2. दोष के प्रभाव को कम करने के लिए व्रत रखें।
3. पूजा या मंत्र जाप का आयोजन करें।
4. अमावस्या पर ब्राह्मणों को भोजन कराएं।
5. भोजन, कंबल और कपड़े दान करें।
6. गाय, कुत्ते, कौवे और चींटियों को भोजन कराएं।
7. त्रपंडी श्राद्ध पूरा करें।
8. गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करें।
9. नवरात्रि पर विशेष रूप से देवी कालिका स्तोत्र का जाप करें।
10. धार्मिक स्थानों पर अनुष्ठान करें।
11. उगते सूर्य को तिल के साथ जल चढ़ाएं और गायत्री मंत्र का जाप करें।



### साढ़ेसाती दोष क्या है?

साढ़े साती साढ़े सात साल की अवधि को संदर्भित करती है, जिसमें शनि तीन राशियों से गुजरता है, चंद्र राशि, चंद्रमा से एक पहले की राशि और एक उसके बाद की राशि। साढ़े साती तब शुरू होती है जब शनि (शनि) जन्म चंद्र राशि से 12वीं राशि में प्रवेश करता है और तब समाप्त होती है जब शनि जन्म चंद्र राशि से 2वीं राशि छोड़ता है। चूंकि शनि एक राशि में गोचर करने में लगभग ढाई साल का समय लेता है, जिसे शनि की ढैय्या कहा जाता है, इसलिए तीन राशियों में गोचर करने में इसे लगभग साढ़े सात साल लगते हैं और इसीलिए इसे साढ़े साती के रूप में जाना जाता है। आम तौर पर साढ़े साती जीवनकाल में कुंडली में तीन बार आती है - पहली बचपन में, दूसरी युवावस्था में और तीसरी बुढ़ापे में। पहली साढ़े साती का शिक्षा और माता-पिता पर प्रभाव पड़ता है। दूसरी साढ़े साती का पेशे, वित्त और परिवार पर प्रभाव पड़ता है।

**प्रतिक्रिया:** यह आपका दूसरा साढ़े साती अवधि है। इस अवधि में आपको अपने पेशेवर जीवन में चुनौतियों और वित्तीय अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है। हालाँकि, कड़ी मेहनत और धैर्य के साथ, आप इन बाधाओं को पार कर सकते हैं और सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

1. क्या साढ़ेसाती चल रही है: true
2. शनि काल प्रकार: दूसरा
3. विवरण: साढ़े साती वह साढ़े सात साल की अवधि है जिसमें शनि तीन राशियों में से गुजरता है - चंद्र राशि, उसके पहले की राशि और उसके बाद की राशि। साढ़े साती तब शुरू होती है जब शनि (शनि) जन्म की चंद्र राशि से 12वीं राशि में प्रवेश करता है और तब समाप्त होता है जब शनि जन्म की चंद्र राशि से 2वीं राशि से निकलता है। चूंकि शनि को एक राशि से दूसरी राशि में जाने में लगभग ढाई साल का समय लगता है, जिसे शनि की ढैया कहा जाता है, इसलिए तीन राशियों में पारगमन करने में लगभग साढ़े सात साल लगते हैं और इसे साढ़े साती कहा जाता है। आम तौर पर साढ़े साती जीवनकाल में तीन बार आती है - पहली बार बचपन में, दूसरी बार युवावस्था में और तीसरी बार बुढ़ापे में। पहली साढ़े साती का प्रभाव शिक्षा और माता-पिता पर पड़ता है। दूसरी साढ़े साती का प्रभाव पेशे, वित्त और परिवार पर पड़ता है। अंतिम साढ़े साती का प्रभाव स्वास्थ्य पर अधिक होता है।
4. शनि वक्री: false
5. सूर्य राशि: तुला
6. राशि: कुम्भ

## साढ़ेसाती दोष के उपाय:

---

1. शनि मूल मंत्र का प्रतिदिन 108 बार जाप करें, 'ॐ शं शनैश्चराय नमः'
2. शनिवार को नवग्रह स्तोत्र से शनि मंत्र का 108 बार जाप करें, 'नीलंजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्। छाया मार्तण्डसंभूतं तं नमामि शनैश्चरम्'
3. शनिवार को उपवास करें, केवल उड़द की दाल खाएं और शनि चालीसा का जाप करें
4. शनिवार के दिन गरीबों और दिव्यांगों को उड़द की दाल और काले कपड़े दान करें
5. हनुमान जयंती या शनि अमावस्या पर हवन करके भी शनिदेव की पूजा की जा सकती है



## रत्न सुझाव

ज्योतिष में प्रत्येक ग्रह एक विशिष्ट रत्न से जुड़ा होता है जो ग्रह के समान ऊर्जा और ब्रह्मांडीय रंग रखता है। माना जाता है कि ये रत्न ग्रह की ऊर्जा के साथ शक्तिशाली तरीके से बातचीत करते हैं। सही रत्न पहनकर, व्यक्ति अपने जीवन में ग्रह के सकारात्मक प्रभाव को मजबूत कर सकता है। रत्न या तो सकारात्मक ऊर्जा को शरीर में वापस परावर्तित करके या हानिकारक कंपन को अवशोषित करके सुरक्षात्मक प्रभाव पैदा करके काम करते हैं। जब पहना जाता है, तो वे एक फिल्टर के रूप में कार्य करते हैं, जिससे केवल लाभकारी ऊर्जा ही गुजर पाती है और पहनने वाले को प्रभावित करती है। यह ग्रहों की ऊर्जा को संतुलित करने में मदद करता है, कुंडली में ग्रह की भूमिका के आधार पर स्वास्थ्य, सफलता और कल्याण जैसे क्षेत्रों को बढ़ाता है।

### सुझाए गए रत्न

#### जीवन पत्थर



मोती

लग्न, जिसे लग्न के नाम से भी जाना जाता है, भौतिक शरीर और उससे जुड़ी हर चीज का प्रतिनिधित्व करता है, जैसे कि स्वास्थ्य, दीर्घायु, प्रतिष्ठा, स्थिति और समग्र जीवन यात्रा। यह पूरी कुंडली की नींव के रूप में कार्य करता है और किसी व्यक्ति के जीवन सार को समझने की कुंजी रखता है। लग्नेश से जुड़ा रत्न, जो लग्न का शासक ग्रह है, को 'लाइफ स्टोन' के नाम से जाना जाता है। माना जाता है कि यह विशेष पत्थर लग्नेश की सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है और पहनने वाले की भलाई और सफलता का समर्थन करता है। जीवन भर लगातार लाइफ स्टोन पहनने से इसके लाभों को अधिकतम करने में मदद मिल सकती है, जिसमें बेहतर स्वास्थ्य, मजबूत जीवन शक्ति और जीवन के उद्देश्य के साथ बेहतर संरेखण शामिल है।

#### भाग्यशाली पत्थर



लाल मूंगा

जन्म कुंडली में पाँचवाँ भाव सबसे अनुकूल और सकारात्मक भावों में से एक माना जाता है। यह बुद्धि, उच्च शिक्षा, रचनात्मकता, बच्चों और अप्रत्याशित लाभ, जैसे पुरस्कार जीतना या अचानक वित्तीय लाभ से जुड़ा हुआ है। यह भाव पूर्व पुण्य कर्मों का भी प्रतिनिधित्व करता है, जो पिछले जन्मों में किए गए अच्छे कर्म हैं। नतीजतन, पाँचवाँ भाव आशीर्वाद और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। पाँचवाँ भाव पर शासन करने वाले ग्रह से जुड़ा रत्न 'भाग्यशाली रत्न' के रूप में जाना जाता है। माना जाता है कि इस रत्न को पहनने से इस भाव के सकारात्मक प्रभाव बढ़ते हैं, जिससे बेहतर बुद्धि, रचनात्मकता और समृद्धि के अवसर जैसे लाभ मिलते हैं। यह पिछले अच्छे कर्मों के संबंध को भी मजबूत कर सकता है, जिससे यह सफलता और खुशी को आकर्षित करने का एक शक्तिशाली साधन बन जाता है।

#### फॉर्च्यून स्टोन



पीला पुखराज

जन्म कुंडली में नौवाँ भाव को भाग्य स्थान या किस्मत और भाग्य का भाव कहा जाता है। यह व्यक्ति के भाग्य, सफलता और जीवन में उपलब्धियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह भाव बुद्धि, ज्ञान, आध्यात्मिक विकास और पिछले जन्मों में किए गए अच्छे कर्मों के परिणामस्वरूप मिलने वाले पुरस्कारों जैसे क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है। इसे अक्सर आशीर्वाद और समृद्धि का भाव माना जाता है। नौवाँ भाव पर शासन करने वाले ग्रह से जुड़े रत्न को 'भाग्य रत्न' कहा जाता है। माना जाता है कि इस रत्न को पहनने से इस भाव के सकारात्मक प्रभाव बढ़ते हैं, जिससे किस्मत, सफलता और अनुकूल अवसर आकर्षित होते हैं। यह पहनने वाले को उनके भाग्य के साथ संरेखित करने में भी मदद करता है, जिससे वे अपने पिछले अच्छे कार्यों के पुरस्कारों का आनंद ले पाते हैं।

## जीवन पत्थर

### मोती



उँगलिया	अनामिका/गर्दन
वज़न	केवल 2, 4, 6 या 11 कैरेट
विकल्प	चन्द्रकान्त मणि, सफेद नीलमणि

धातु	चाँदी
दिन	सोमवार
ग्रह	चंद्र

**इसके साथ नहीं पहनना चाहिए :** हीरा, पन्ना, नीलमणि, लहसुनिया

**अच्छा परिणाम :** भावनात्मक स्थिरता, वित्तीय समृद्धि, सकारात्मक भाग्य, पावती and कुख्याति

## विवरण

सीप के अंदर मोती तब बनता है जब कोई विदेशी वस्तु उसके खोल में प्रवेश करती है। खुद को बचाने के लिए, सीप समय के साथ वस्तु को नैक्रे की परतों से ढक देती है। सीप को मूल्यवान बनने लायक बड़ा मोती बनाने में कई साल लग सकते हैं। सबसे अच्छे मोती वे होते हैं जिनके केंद्र में कोई विदेशी सामग्री नहीं होती। मोती आठ अलग-अलग स्रोतों से आते हैं: स्काई पर्ल, कोबरा पर्ल, बैम्बू पर्ल, हॉग पर्ल, एलिफेंट पर्ल, शंख पर्ल, फिश पर्ल और ऑयस्टर पर्ल। अगर मोती में दोष हो तो इसका आपके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

## तरीका

पहली बार अंगूठी पहनने से पहले इसे कुछ देर के लिए गाय के कच्चे दूध में भिगो दें, फिर इसे गंगा जल, बारिश के पानी या तांबे के बर्तन में रखे पानी से धो लें। धोने के बाद अंगूठी को एक सफेद कपड़े पर रखें जिस पर सफेद चंदन से चंद्र यंत्र बना हुआ हो। अंगूठी को उसी सफेद कपड़े पर उत्कीर्ण चांदी यंत्र के सामने रखें।

**मंत्र:** ॐ सोम सोमाय नमः ॐ

## पहनने का समय

मोती खरीदने का सबसे अच्छा दिन सोमवार है, बढ़ते चंद्रमा के चरण के दौरान, खासकर जब चंद्रमा पुष्य, रोहिणी, हस्त या श्रवण नक्षत्र में होता है। रविवार और गुरुवार भी अच्छे विकल्प हैं, लेकिन शनिवार की बिल्कुल भी अनुशंसा नहीं की जाती है। मोती को चांदी में, खुली पीठ वाले डिज़ाइन के साथ जड़ा जाना चाहिए ताकि उंगली पर पहनने पर यह त्वचा को छू सके।

## भाग्यशाली पत्थर

लाल मूंगा



उंगलिया	अनामिका/गर्दन
वज़न	3 से 6 कैरेट
विकल्प	कारेलियन पत्थर, लाल सुलेमानी पत्थर, लाल गोमेद

धातु	सोना/चांदी
दिन	मंगलवार
ग्रह	मंगल ग्रह

**इसके साथ नहीं पहनना चाहिए :** नीलमणि, लहसुनिया, पन्ना, हीरा, हेसोनाइट  
**अच्छा परिणाम :** बहादुरी, आकर्षण, मार्गदर्शन, त्वरित प्रगति and उपलब्धि

### विवरण

सीप के अंदर मोती तब बनता है जब कोई विदेशी वस्तु उसके खोल में प्रवेश करती है। खुद को बचाने के लिए, सीप समय के साथ वस्तु को नैक्रे की परतों से ढक देती है। सीप को मूल्यवान बनने लायक बड़ा मोती बनाने में कई साल लग सकते हैं। सबसे अच्छे मोती वे होते हैं जिनके केंद्र में कोई विदेशी सामग्री नहीं होती। मोती आठ अलग-अलग स्रोतों से आते हैं: स्काई पर्ल, कोबरा पर्ल, बैम्बू पर्ल, हॉग पर्ल, एलिफेंट पर्ल, शंख पर्ल, फिश पर्ल और ऑयस्टर पर्ल। अगर मोती में दोष हो तो इसका आपके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

### तरीका

पहली बार अंगूठी पहनने से पहले इसे कुछ देर के लिए गाय के कच्चे दूध में भिगो दें, फिर इसे गंगा जल, बारिश के पानी या तांबे के बर्तन में रखे पानी से धो लें। धोने के बाद अंगूठी को एक सफेद कपड़े पर रखें जिस पर सफेद चंदन से चंद्र यंत्र बना हुआ हो। अंगूठी को उसी सफेद कपड़े पर उत्कीर्ण चांदी यंत्र के सामने रखें।

**मंत्र:** ॐ सोम सोमाय नमः ॐ

### पहनने का समय

मोती खरीदने का सबसे अच्छा दिन सोमवार है, बढ़ते चंद्रमा के चरण के दौरान, खासकर जब चंद्रमा पुष्य, रोहिणी, हस्त या श्रवण नक्षत्र में होता है। रविवार और गुरुवार भी अच्छे विकल्प हैं, लेकिन शनिवार की बिल्कुल भी अनुशंसा नहीं की जाती है। मोती को चांदी में, खुली पीठ वाले डिज़ाइन के साथ जड़ा जाना चाहिए ताकि उंगली पर पहनने पर यह त्वचा को छू सके।

## भाग्य का पत्थर

### पीला नीलम



उँगलिया	अनामिका
वज़न	3 कैरेट से ऊपर (6,11 या 15 कैरेट को छोड़कर)
विकल्प	पुखराज, पीला मोती, सिट्रीन, पीला टूमलाइन, पीला जिक्रोन

धातु	सोना
दिन	गुरुवार
ग्रह	बृहस्पति

**इसके साथ नहीं पहनना चाहिए :** हीरा, नीलमणि, गोमेधा, लहसुनिया  
**अच्छा परिणाम :** ज्ञान, लंबा जीवन, आनंद, धन and आदर करना

## विवरण

पीला नीलम एक प्रकार का कोरंडम है और इसका माणिक और नीले नीलम से गहरा संबंध है। यह पीले, सुनहरे और नारंगी रंगों में आता है, और इसका एक रंगहीन संस्करण भी है जिसे सफेद नीलम कहा जाता है। सबसे वांछनीय पीला नीलम नींबू-पीला रंग माना जाता है।

## तरीका

पहली बार अंगूठी पहनने से पहले इसे कुछ मिनट के लिए गाय के दूध में भिगो दें, फिर इसे बारिश के पानी, झरने के पानी या रात भर तांबे के बर्तन में रखे पानी से धो लें। एक बार जब यह साफ हो जाए, तो अंगूठी को एक पीले कपड़े पर रखें, जिस पर रोली से बृहस्पति यंत्र बना हो। साथ ही उसी कपड़े पर चांदी की प्लेट पर बृहस्पति का यंत्र या स्वर्ण उत्कीर्णित मूर्ति भी स्थापित करें। अंत में बृहस्पति मंत्र का जाप करते हुए अंगूठी में रखे यंत्र और रत्न की पूजा करें।

**मंत्र:** ॐ बृं बृहस्पतये नमः ॐ

## पहनने का समय

आपको पीला नीलम गुरुवार को चंद्रमा के बढ़ते चरण के दौरान खरीदना चाहिए जब पुष्य नक्षत्र सक्रिय हो। यदि पुष्य उपलब्ध नहीं है, तो पुनर्वसु, विशाखा, या पूर्वा भाद्रपद भी पीला नीलम खरीदने के लिए अच्छे विकल्प हैं। रत्न को उसी दिन सूर्योदय से पूर्वाह्न 11:00 बजे के बीच जौहरी को सौंप दें। पीली नीलम की अंगूठी पहनने का सबसे अच्छा समय सुबह का होता है।



## 7 मुखी: महालक्ष्मी रुद्राक्ष, 14 मुखी: हनुमान रुद्राक्ष

सुझाया गया रुद्राक्ष: 7 मुखी

गुण: 7 मुखी: धन और प्रचुरता, 14 मुखी: अंतर्ज्ञान क्षमता को बढ़ाता है, नुकसान से बचाता है

प्रतिक्रिया: वित्तीय स्थिरता के लिए 7 मुखी और नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए 14 मुखी पहनें।

पहनने का समय: शनिवार की सुबह

कैसे पहनें: शुद्धि के बाद शनिवार को धारण करें

शुद्धिकरण: पानी या दूध में भिगोएँ, कपड़े से साफ़ करें, सुगंध लगाएँ, फूल और धूप चढ़ाएँ, मंत्र का जाप करें, भगवान शिव से प्रार्थना करें और रुद्राक्ष पहनें।

मंत्र: 7 मुखी: 'ओम ह्रम नमः'



4

भाग्यांक

9

मूलांक संख्या

5

नाम संख्या

## अंकज्योतिष विवरण

नाम	synillogic
जन्मतिथि	27/10/2001
कट्टरपंथी शासक	मंगल
मैत्रीपूर्ण संख्याएँ	2,3,9
तटस्थ संख्याएँ	5
शत्रु संख्या	4,6,8
अनुकूल पत्थर	मूंगा [मूंगा] (लाल)
अनुकूल दिन	मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार
अनुकूल दिशा	दक्षिण
अनुकूल अक्षर	I, R
अनुकूल देव	भगवान हनुमान/भगवान कार्तिकेय
अनुकूल रंग	लाल
अनुकूल तत्व	अग्नि
अनुकूल संकेत	मेष, वृश्चिक
अनुकूल मंत्र	ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः



### मूलांक संख्या

अंक ज्योतिष में आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक वह तारीख है जिस दिन आपका जन्म हुआ है। यह अंक आपके चरित्र, व्यक्तित्व और व्यक्तित्व के महत्वपूर्ण तत्वों की पहचान कर सकता है। यह अंक आपके समग्र अस्तित्व के मूल तत्वों को निर्धारित करता है। जैसे कि आप दबंग हैं या शर्मीले, नेता हैं या अनुयायी। इसका कारण यह है कि प्रत्येक अंक का अपना स्वभाव और व्यक्तिगत कंपन होता है। सावधानीपूर्वक विश्लेषण के बाद, हमने आपका अंक ज्योतिष जन्म अंक इस प्रकार निकाला है: आपका मूलांक 9 है। इस अंक में जन्म लेने के कारण आपको अपनी ऊर्जा और शक्तियाँ मूलांक 9 के स्वामी मंगल से मिलती हैं, जो आपको साहसी और कठिनाइयों से नहीं डरने वाला बनाता है। आपने शासन करने या लोगों का नेतृत्व करने की कला में महारत हासिल की है। हालाँकि, आप थोड़े गुस्सैल स्वभाव के हो सकते हैं, जिसके कारण आपको अक्सर विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। आपके अंदर फुर्ती और जल्दबाज़ी है। आपका जीवन संघर्षों से भरा है और आपके शत्रुओं की संख्या भी अधिक है। हालाँकि, आप अपने साहस के बल पर इन सबका सामना कर सकते हैं। आप स्वतंत्र रहना पसंद करते हैं और दूसरों से आसानी से प्रभावित नहीं होते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि आप चालाक लोगों से सावधान रहें। आप प्यार और सहानुभूति पाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं, लेकिन अपनी आलोचना बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसलिए आपको खुद पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए क्योंकि आप अत्यधिक गुस्से में किसी भी हद तक जा सकते हैं। अगर आप अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने में सफल हो जाते हैं, तो आप जीवन में बहुत भाग्यशाली और सफल होंगे।

### भाग्यांक

आपके जीवन में बहुत से उतार-चढ़ाव आते हैं और कई अचानक घटनाएँ भी घटती हैं, जो आपके लिए अच्छे और बुरे दोनों तरह के परिणाम लेकर आती हैं। आप अपने जीवन में सफलता की ऊँचाइयों को आसानी से छू सकते हैं, लेकिन दूसरी ओर षड्यंत्र आपको नीचे भी गिरा सकते हैं। आपका नज़रिया दूसरों से अलग है, जो आपको हर जगह आकर्षण का केंद्र बनाता है। आप विद्रोही स्वभाव के हैं, आप प्रचलित कानूनों और रीति-रिवाजों का विरोध करते हैं और लगातार नए नियम बनाने की कोशिश करते रहते हैं। आप एक तेज दिमाग वाले बुद्धिमान व्यक्ति हैं, इसलिए आपको बहुत संवेदनशील और भावुक होने से बचना चाहिए, साथ ही निराशावादी सोच से भी दूर रहना चाहिए। आपको न केवल अवसरों को पहचानना सीखना होगा, बल्कि अपनी आक्रामकता को भी नियंत्रण में रखना होगा।

### नाम संख्या

नाम अंक ज्योतिष संख्या 5 बदलाव और स्वतंत्रता का प्रतीक है। इस संख्या की अनुपस्थिति परिवर्तन के प्रति प्रतिरोध को दर्शाती है और व्यक्ति को अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलने से बचने का कारण बनती है। दूसरी ओर, चार्ट में इस संख्या की अधिकता यह दर्शाती है कि व्यक्ति अपनी स्वतंत्रता और स्वायत्तता का दुरुपयोग कर रहा है। ऐसा व्यक्ति जो कुछ भी पसंद करता है, उसमें अत्यधिक लिप्त होने की प्रवृत्ति रखता है, चाहे वह शारीरिक सुख हो, शराब हो या ड्रग्स। ऐसे लोगों के लिए लत एक बहुत ही वास्तविक संभावना है। चार्ट में पर्याप्त संख्या में 5 होने से यह संकेत मिलता है कि व्यक्ति के पास बेहतरीन समय प्रबंधन क्षमताएँ हैं। नाम अंक ज्योतिष संख्या 5 वाले आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कार्य और आनंद कार्यक्रम वाले अच्छे समय प्रबंधक होते हैं। नाम अंक ज्योतिष संख्या 5 वाले आत्मनिर्भर व्यक्ति होते हैं जो परिवर्तन का आनंद लेते हैं और इसे अपने जीवन में विविधता और स्वाद के स्रोत के रूप में अपनाते हैं।

## शुभ स्थान

---

दक्षिण दिशा वह दिशा है जो आपको जीवन में सफलता, खुशी और शांति प्रदान करेगी। इसलिए, यदि आप अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहते हैं या जीवन में प्रगति करना चाहते हैं, तो आपको अपने जन्म स्थान से इस दिशा में प्रयास करना चाहिए। इंडोनेशिया जैसे आपके दक्षिण में स्थित देश, शहर और राज्य आपको अनुकूल परिणाम देंगे।

## स्वास्थ्य

---

आप पूर्ण अंक 9 के अंतर्गत पैदा हुए हैं, और यह आपको स्वाभाविक रूप से ऊर्जावान बनाता है। परिणामस्वरूप आप आम तौर पर स्वस्थ रहते हैं, लेकिन दूसरी ओर आप आसानी से क्रोधित हो जाते हैं या अक्सर अपने कामों को जल्दबाजी में पूरा करते हैं, जिसका असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। मुख्य रूप से, आपको रक्त संबंधी समस्याओं, चोटों, चेचक, चिकन पॉक्स का सामना करना पड़ सकता है, या यहां तक कि आपको किसी प्रकार की सर्जरी भी करवानी पड़ सकती है।

## शुभ समय

---

चूंकि मंगल आपके अंक का स्वामी है, इसलिए जनवरी से फरवरी, मार्च से अप्रैल और नवंबर से दिसंबर का समय आपके लिए काफी शुभ रहेगा। इस दौरान किए गए किसी भी कार्य से आपको सफलता की नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी और आप जीवन में तरक्की करेंगे।

## आजीविका

---

आपकी संख्या लाल ग्रह मंगल से प्रभावित है, इसलिए, आपको अपने जीवन में बहुत प्यार मिला है क्योंकि आप नेतृत्व गुणों से परिपूर्ण हैं और आपके अंदर एक निश्चित जीवन ऊर्जा है, जो आपको जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आगे ले जाएगी।

## व्रत एवं उपाय

---

शुक्ल पक्ष में पड़ने वाले मंगलवार से शुरू करके 19 या 21 मंगलवार व्रत रखना चाहिए। इस दिन केवल एक बार भोजन करें और कुछ मीठा खाना अधिक लाभकारी होगा। लाल रंग के कपड़े पहनें और मंगल के बीज मंत्र का जाप करें। साथ ही इस दिन छोटे बच्चों को गुड़ और चने का प्रसाद खिलाएं।

## यंत्र

---

आपका मूल अंक 9 है, जिसका अर्थ है कि आपका स्वामी ग्रह मंगल है। मंगल से अनुकूल परिणाम और दिव्य आशीर्वाद की प्राप्ति के लिए, आपको मंगल यंत्र को मंगल की होरा और नक्षत्रों में धारण करना चाहिए, जहाँ नक्षत्र मृगशिरा, चित्रा और धनिष्ठा हैं।



विवरण	
पाधान	कर्क
लॉर्ड	चंद्रमा
लॉर्ड हाउस स्थान	8
प्रभु शक्ति	तटस्थ
प्रतीक	केकड़ा
राशि चक्र लक्षण	जंगम, जलमय, उत्तर
भाग्यशाली रत्न	मोती
उपवास का दिन	सोमवार

### मंत्र

ॐ क्षीरपुत्रायः विद्महे अमृत तत्वाय धीमहि तन्नो चन्द्रः प्रचोदयात्

### व्यक्तिगत गुणः

आपकी विचार प्रक्रिया बदलती रहती है - जैसे चंद्रमा की शक्ति हमेशा बदलती रहती है। कभी-कभी जब आपके पास पूर्णिमा होती है - तो आपका चेहरा बड़ी आंखों और काले चमकदार बालों वाला हो सकता है। आप नवीनतम फैशन में कपड़े पहनने के शौकीन हैं और यदि चंद्रमा अच्छी स्थिति में है तो ज्यादातर वे बहुत अच्छे लगते हैं। यदि चंद्रमा अच्छी स्थिति में है और उसकी दृष्टि अच्छी है तो आपको एक सुंदर व्यक्ति के रूप में देखा जाता है। यदि चंद्रमा या गृह स्वामी अच्छी स्थिति में नहीं है तो आप लगातार तनाव में रहेंगे। आपको मिठाइयाँ खाना बहुत पसंद है और आप अपने आहार के बारे में भी बहुत मुखर रहते हैं। आप आम तौर पर देखभाल करने वाले और भावुक होते हैं।

### विज्ञान और इनोवेशन:

आपका दयालु हृदय और सहज स्वभाव गहरे भावनात्मक संबंध बनाने में आपका मार्गदर्शन करते हैं। आप सुरक्षा और बंधनों का पोषण करते हैं।



## आजीविका और धन:

---

चूंकि लग्न का स्वामी चंद्रमा आठवें घर में है, इसलिए आपकी रुचि वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी की ओर होगी। आपको जीवन में एक बड़े मोड़ से गुजरना होगा और इसलिए आप हमेशा अपने भविष्य को लेकर भयभीत रहेंगे। आप संचार में अच्छे होंगे और लोगों से उनकी समस्याओं के बारे में बहुत आसानी से बात कर पाएंगे।

## आध्यात्मिक सलाह:

---

अपनी आध्यात्मिक यात्रा में, ध्यान और आत्म-चिंतन के माध्यम से अपनी भावनाओं की गहराई का पता लगाएं। अपने अंतर्ज्ञान पर भरोसा रखें।

## गुण:

---

### अच्छी:

- दयालु, सहज, सुरक्षात्मक, देखभाल करने वाला

### खराब:

- मूडी, अतिभावुक, चिपकू, अतिसुरक्षात्मक



**स्पष्टीकरण:** पांच कारकों का समामेलन, अर्थात् जन्म का दिन, जन्म तिथि, जन्म नक्षत्र, जन्म योग और जन्म करण ज्योतिषियों को जातक के पंचांग फल की गणना करने में मदद करते हैं। जातक के जन्म के समय इन 16 कारकों को ध्यान में रखते हुए, ज्योतिषी जीवन के उतार-चढ़ाव को दर्शाते हुए एक स्पष्ट चित्र चित्रित करता है।

### तिथि

**नाम:** एकादशी

**भविष्यवाणी:** एकादशी तिथि को जन्म लेने वाले लोग ईमानदार, आज्ञाकारी और नैतिक रूप से ईमानदार होते हैं। उन्हें ज्योतिष और पवित्र ग्रंथों का ज्ञान है, ईश्वर में दृढ़ विश्वास है और वे अपने पेशे में कुशल हैं।

### नक्षत्र

**नाम:** शतभिषा

**भविष्यवाणी:** शतभिषा नक्षत्र में जन्मे, आप ठंड के प्रति प्रतिरोधी हैं और परंपरा के विरुद्ध साहसिक निर्णय लेते हैं। शत्रुओं पर सदैव विजय पाने वाले, आप एक सशक्त व्यक्तित्व के स्वामी हैं।

### सप्ताह का दिन

**नाम:** रविवार

**भविष्यवाणी:** रविवार का जन्म आपको किसी भी कार्य से निपटने का साहस प्रदान करता है। हो सकता है कि आपके सिर पर कम बाल हों लेकिन आपका रंग चमकदार, गेहुंआ है। संघर्षों और युद्धों में सफल होकर आप सफलता प्राप्त करते हैं और राजा के समान सुखी जीवन व्यतीत करते हैं।

### योग

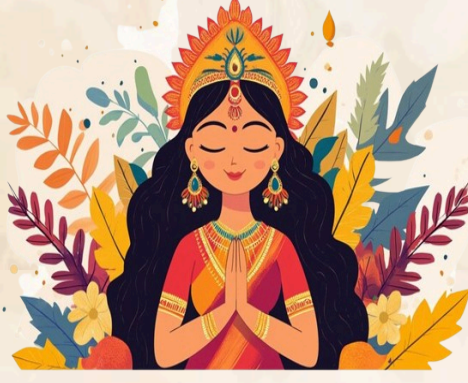
**नाम:** वृद्धि

**भविष्यवाणी:** वृद्धि योग में जन्मे आप आकर्षक शरीर और उत्तम चरित्र के स्वामी हैं। आप आयात-निर्यात जैसे उद्यमों में शामिल हो सकते हैं और आपके सकारात्मक गुण आपके जीवनसाथी और बच्चों में दिखाई देंगे।

### करण

**नाम:** वणिज

**भविष्यवाणी:** वणिज करण में जन्म होने का मतलब है कि आप विभिन्न कलाओं में निपुण हैं और हमेशा खुश और संतुष्ट रहते हैं। आप समाज में सम्मानित होते हैं, अपने स्वयं के व्यवसाय से अपनी आजीविका कमाते हैं और प्रसन्नचित्त स्वभाव रखते हैं।



धन्यवाद



JYOTISHAM  
ASTRO API

For Any Inquiries Please Contact

Synilogic Tech Private Limited  
C-7, Santosh Nagar-1, Borkheda, Kota, India, Rajasthan  
[www.synilogictech.com](http://www.synilogictech.com)  
[Synilogictech@gmail.com](mailto:Synilogictech@gmail.com)  
[919358656189](tel:919358656189)